महत्वपूर्ण एवं खास

फैक्ट्री में काम करने के दौरान युवक की मौत

रायपुर (आरएनएस)। सिलतरा के महेन्द्रा कंपनी में काम का निरीक्षण करने के दौरान घायल युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में धरसींवा पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक गोवर्धन वर्मा 45 वर्ष ग्राम गनियारी का रहने वाला था। बताया जाता है कि गोवर्धन वर्मा सिलतरा के महेन्द्रा कंपनी के कामों का निरीक्षण कर रहा था, तभी 15 फीट ऊंचाई से गिरकर घायल हो गया। जिससे उसे घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पति-पत्नी की घर में मिली लाश, हत्या का संदेह, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा (आरएनएस)। सर्वमंगला चैकी क्षेत्र अंतर्गत एक झोपड़ी में पति-पत्नी की संदिग्ध अवस्था में लाश मिली है, लाश मिलने की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारियों समेत फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची है। दोनों की मौत कैसे और किन परिस्थिति में हुई है या अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्रथम दृष्टया मामले को हत्या से जोडक़र देखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले में बारीकी से तहकीकात में जुटी हुई है। जांच के बाद ही मामले से पर्दा उठ सकेगा की पति-पत्नी की मौत कैसे हुई है। पुलिस के अधिकारी भी इस मामले में कुछ बताने में कतरा रहे हैं।

माओवादियों ने किया पूर्व सरपंच का अपहरण, बेटी ने लगाई रिहाई की अपील

बीजापुर-रायपुर (आरएनएस)। भैरमगढ़ ब्लॉक के बिरियाभूमि गांव के पूर्व सरपंच सूकलू फरसा को अज्ञात लोगों ने अगवा कर लिया। यह घटना 24 घंटे पहले हुई, लेकिन परिजनों ने अब भैरमगढ़ थाने में इसकी सूचना दी है। सूकलू फरसा की नाबालिग बेटी यामिनी फरसा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपहरण कर्ताओं से अपने पिता को रिहा करने की अपील की है। भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में हुई इस घटना की पुष्टि करते हुए डीएसपी तारेश साहू ने बताया कि परिजनों की सूचना के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। यह घटना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। पुलिस और प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वे जल्द ही अपहृत सरपंच को सुरक्षित रिहा करवाएंगे।

पुलिस ने दुकान से बरामद किया 1223 पैकेट मधु मुनक्का

कोरबा-रायपुर (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर थाना/चौकी के क्षेत्रों में अवैध रूप से गांजा शराब एवं दुकानों में अवैध वस्तुओं की चेकिंग किया गया। इसी कड़ी में थाना/चौकी अपने-अपने क्षेत्र में घूम घूम कर अवैध समान बेचने वालों के विरुद्ध सख्त से सख़्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय यूबीएस चौहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थाना/चौकी के द्वारा सख्त कार्यवाही किया गया है। थाना कोतवाली एवं सायबर सेल कोरबा के द्वारा ईतवारी मार्केट चौक के पास मुखबीर से सूचना मिली कि हीरालाल कलवानी, सोहेल पारेख अपने अपने किराना दुकान के सामने प्लास्टिक के बोरियों में मधु मुनक्का के सरीखे गोलियां रख कर बिक्री कर रहे हैं, कि सूचना पर अनावेदक 01 सोहेल पारेख ईतवारी बाजार का प्लास्टिक की बोरी में 1120 पैकेट मधु मुनक्का कीमत 34,200 रुपए का करीबन पेश किया 2 हीरालाल कलवानी द्वारा एक प्लास्टिक की बोरी में 103 पूड़ा मुनक्का (मधु मुनक्का जैसे गली) कीमत 3090 रुपए कीमती मुताबिक जपती पत्रक में जप्त कर अवैध मधु मुनक्का होने के संदेह पर धारा 106 बीएनएसएस का इस्तगासा तैयार कर न्यायालय पेश किया जाएगा।

सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है- राज्यपाल डेका

❐ राजभवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया 5 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस

रायपुर

राजभवन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के तहत आज छत्तीसगढ़ सहित 05 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता हमें समृद्ध और शक्तिशाली बनाती है।

राजभवन में राज्यपाल डेका के मुख्य आतिथ्य में भारत के राज्यों क्रमशः छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में राज्यपाल डेका ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। यह कार्यक्रम हमारे देश के विभिन्न राज्यों में बसे निवासियों को एक सूत्र में पिरोने का अद्भुत प्रयास है, जिससे भारत की एकता और अखंडता और अधिक मजबूत होगी।

डेका ने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस उस राज्य के इतिहास में और विकास की यात्रा का महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन, हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है।

डेका ने सभी राज्यों की विशिष्टताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक वातावरण और भौगलिक स्थिति अदभुत है। यहां पर्यटन की बहुत संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ राज्य के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जायेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के चावल की भी प्रशंसा की। आजादी की लड़ाई में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, वहां के वीर सेनानियों को याद किया। पंजाब राज्य के लोगों की दान शीलता का जिक्र किया। पंजाब का इतिहास बलिदानों से भरा हुआ जिस पर हर देशवासी को गर्व है। पंजाब और हरियाणा राज्य ने हरित क्रांति के माध्यम से देश को एक नई ऊर्जा दी।

डेका ने कहा कि इन सभी राज्यों ने भारत के विकास में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है। चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, उद्योग, कला खेलकूद, शिक्षा या पर्यटन का क्षेत्र हो, सभी क्षेत्रों में, इन राज्यों का योगदान सराहनीय है। हम सब को मिलकर अपने राज्यों को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का भी ध्यान रखना है।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ का लोक-नृत्य सुआ, सरहुल नृत्य, गेड़ी नृत्य, नाचा, पंजाब का भांगडा, गिद्धा, हरियाणा का घूमर तथा मध्यप्रदेश की जनजातियों के राई नृत्य ने अतिथियों का मन मोह लिया।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पंजाब के प्रतिनिधियों ने डेका को सरोपा भेंट किया।

छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि के रूप में पद्मश्री अनुज शर्मा, मध्यप्रदेश के आकाश दीप गुप्ता, पंजाब के प्रतिनिधि दलजीत चावला, हरियाणा के प्रतिनिधि अमित अग्रवाल को राज्यपाल ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव यशंवत कुमार, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, संयुक्त सचिव हिना अनिमेष नेताम एवं इन सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महिला का आधा शरीर खा गया तेंदुआं, घर से खींच कर झाड़ी में ले जाकर किया शिकार

❐ पिछले कई दिनों से तेंदुआ ने मुर्गी, कुत्ता, पशुओं के बाद अब महिला को बनाया शिकार

धमतरी/मगरलोड | आरएनएस

विकासखंड मुख्यालय मगरलोड के ग्राम मडेली के कमार पारा में 65 वर्षीय सुखवती कमार पति स्वर्गीय अंबा कमार को एक तेंदुआं उसके घर से खींचकर ले गया और महिला के आधा शरीर खा गया। दूसरे दिन महिला की क्षत-विक्षत लाश जंगल में मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मडेली के कमार पारा में रहने वाली 65 वर्षीय सुखवती कमार पति स्वर्गीय अंबा कमार अपने घर में आंगन में सो रही थी इसी दौरान बुधवार देर रात जंगल से एक तेंदुआं आया और सुखबती को खींचकर जंगल के अंदर ले गया। दूसरे दिन ग्रामीणों को जंगल में सुखबती की क्षत-विक्षत लाश लाश मिली। महिला का आधा शरीर गायब था। जिसके बाद ग्रामीणो ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा। तथा मृतक के परिवार को 25 हजार रूपये नगद सहायता राशि देने की बात कही गई है।

इधर इस घटना के क्षेत्र को लोगों में काफी रोष व्याप्त है। इस संबंध में एक ग्रामीण नारायण ध्रुव ने बताया की की हिंसक जानवर गांव में कई दिनों से आ रहा है लेकिन वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी हाथी के आने पर ही सूचना करते हैं जबकि हिंसक जानवर तेंदुआ यहां गांव में घुसकर कुत्ता गाय बकरी का लगातार शिकार कर रहे हैं लेकिन वन विभाग के अधिकारी घोर निद्रा में है और कभी भी हिंसक पशुओं की सुरक्षा के उपाय नहीं बताया और ना ही रात्रि व दिन में गस्त करते हैं। हिंसक जानवर तेंदुआ के आने से ग्रामीणों में भारी दहशत है। रोशन ध्रुव ने बताया गांव में बड़ी-बड़ी मुर्गी फार्म होने के कारण भी हिंसक जानवर पशुओं की शिकार के बाद अब कमर महिला को भी अपना शिकार बना लिया जिस पर तत्काल संज्ञान लेना चाहिए और प्रशासन से बंद करने की मांग की है। वहीं रेंजर पंचराम साहू ने लगातार गस्त करने की बात कह रहे है।

बता दें कि ग्राम मडेली वनों से घिरा हुआ है यहां वनों के अवैध कटाई चरम सीमा में है वनों के आसपास क्षेत्र में अवैध ईट भट्ठा भी बेधडक़ चलाई जा रही है जिससे वनों की बहुमूल्य इमारती लकड़ी को लगाए जाने का पूरा अनुमान है जिस पर अभी तक कोई भी कार्यवाही वन विभाग द्वारा नहीं की गई है वन विभाग की निष्क्रियता के कारण कई निलगिरी पेड़ों के साथ जलाऊं लकड़ी का भी दोहन हो रहा है। इस गांव में बड़ी संख्या में कमार जनजाति के लोग निवास करते हैं कमार जनजाति राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाते हैं।

35 बोरी महुआ पास का नष्टीकरण, अवैध शराब बनाने वालों को पुलिस की चेतावनी

❐ घरघोड़ा पुलिस ने की घरघोड़ी जंगल भीतर कार्रवाई

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देश पर घरघोड़ा पुलिस ने ग्राम घरघोड़ी के जंगल में अवैध शराब निर्माण के ठिकाने पर छापा मारते हुए भारी मात्रा में महुआ पास और तैयार शराब को नष्ट कर दिया। अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब बनाने वालों में हड़कंप मच गया है। थाना प्रभारी घरघोड़ा, निरीक्षक राम किंकर यादव को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जंगल में नदी किनारे हाथ भट्ठी लगाकर महुआ शराब तैयार की जा रही है। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर कार्रवाई की।

शराब निर्माण स्थल गांव से नजदीक होने के कारण पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गये थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली, जिसमें करीब 30-35 बोरी महुआ पास और तैयार शराब मिला। पूरे माल को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

इस दौरान थाना प्रभारी ने गांववालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध शराब के निर्माण या बिक्री में संलिप्त पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नारायणपुर के दो किसानों को मिला मिलेनियर फार्मर ऑफ़ इंडिया अवार्ड

रायपुर। नई दिल्ली में 1 से 3 दिसंबर को आयोजित मिलेनियर फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड-2024 से छत्तीसगढ़ राज्य के नारायणपुर जिले के किसान चौतू राम यादव और नीलकंठ नाग को सम्मानित किया गया। इन दोनों किसानों ने कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर के सहयोग से नवाचार और समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आय बढ़ाई।

चौतू राम यादव (बांगडोंगरी) ने धान की खेती के साथ पशुपालन, मछली पालन, और केंचुआ खाद उत्पादन से आय के नए साधन विकसित किए। नीलकंठ नाग (बेलगांव) ने धान के साथ सब्जी उत्पादन, मछली और बतख पालन को अपनाकर आर्थिक मजबूती हासिल की। यह सम्मान किसानों की मेहनत और नवाचार का प्रतीक है तथा अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बनेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने नारायणपुर के इन किसानों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

उपार्जन केन्द्रों में माइक्रो एटीएम की सुविधा से प्रसन्न है किसान

❐ राकेश कुर्रे को अब नहीं लगाने पड़ते बैंको के चक्कर

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की सुगम व्यवस्था से किसानों को न सिर्फ धान बेचना आसान हो गया है बल्कि किसानों के लिए धान बेचने के बाद पैसा निकालना भी आसान हो गया है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य के किसानों को प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। छत्तीसगढ़ देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां किसानों को एक क्विंटल धान का सर्वाधिक 3100 रूपए मूल्य प्राप्त हो रहा है। धान बेचने के तुरंत बाद उपार्जन केन्द्र एवं समिति से माइक्रो एटीएम के माध्यम से पैसा निकाल पाने की सुविधा से उनकी खुशियां दोगुनी हो गयी है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा कई इंतजाम किए गए है, इन्हीं सुविधाओं में माइक्रो एटीएम की सुविधा भी शामिल है।

माइक्रो एटीएम के जरिए किसान खरीदी केन्द्र में ही 10 हजार तक नगद राशि निकाल सकते हैं। इस सुविधा से किसान प्रसन्न है। चिल्हाटी के राकेश कुर्रे ने मोपका धान खरीदी केन्द्र में 62.80 क्विंटल धान बेचा और केन्द्र में ही माइक्रो एटीएम के जरिए 1 हजार रूपए नगद निकाला। उन्होंने बताया कि यह सुविधा किसानों की तत्कालिक जरूरत को पूरा कर रही है। अब किसानों को एटीएम अथवा बैंक का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। वह खरीदी केन्द्र के माइक्रो एटीएम से पैसा निकालकर धान परिवहन के लिए किराए पर लाए गए मेटाडोर, ट्रेक्टर, छोटा हाथी का भाड़ा और हमालों की मजदूरी तुरंत दे सकते हैं। किसानों को इसके लिए अब न किसी से राशि उधार लेने की जरूरत पड़ रही है और न ही बैंको का चक्कर लगाना पड़ रहा है। कुर्रे ने बताया कि माइक्रो एटीएम का उपयोग बहुत ही आसान है। आधार नम्बर और फिंगर प्रिंट के माध्यम से नगद राशि प्राप्त की जा सकती है। मुख्यमंत्री साय द्वारा दी गई सुविधा से किसानों को बड़ी राहत मिल रही है।

धान खरीदी की सुगम प्रक्रिया और त्वरित भुगतान से किसानों में उत्साह

❐ धान खरीदी में ऑनलाइन टोकन और समितियों में माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं से किसानों को है बड़ी राहत

❐ जिले में अब तक हुई 23 हजार 846 मे.टन धान खरीदी, किसानों को 29.91 करोड़ का भुगतान जारी

रायगढ़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार 14 नवम्बर से जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। किसान भी पूरे उत्साह के साथ उपार्जन केंद्र में धान बेचने पहुंच रहे हैं। लोईंग खरीदी केंद्र में पहुंचे किसान सौरभ प्रधान ने बताया कि करीब 6 एकड़ खेत में उन्होंने धान की फसल ली थी और 120 क्विंटल धान बेचा है। उनका कहना है कि इस बार समर्थन मूल्य पर धान बेचने की प्रक्रिया पहले से अधिक सुगम और पारदर्शी तरीके से चल रही है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली के कारण किसानों को अब लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ रहा है।

किसान सौरभ प्रधान ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीदी और 3100 प्रति क्विंटल की कीमत किसानों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं। धान खरीदी में पारदर्शिता और सही दाम मिलने से किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है। शासन की योजनाओं ने हर किसान को राहत दी है। प्रधान ने कहा कि केन्द्र में समुचित व्यवस्था और कर्मचारियों के सहयोग से धान बेचने में काफी आसानी हुई। वहीं समय से किसानों को धान की राशि का भुगतान भी हो रहा है। लंबी कतारों से बचने के लिए पहले से स्लॉट बुकिंग की व्यवस्था की जिससे भुगतान में सहूलियत है। खरीदी केंद्रों में माइक्रो एटीएम से भी भुगतान लेने की व्यवस्था खरीदी केंद्रों में की गई है। सरकार किसानों के प्रति संवेदनशीलता से काम कर रही। हमें हमारी मेहनत का सही दाम मिल रहा है। उन्होंने खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना भी की।

अब तक 23 हजार 846 मे. टन धान की हुई खरीदी, 29.91 करोड़ का भुगतान जारी- कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के मार्गदर्शन में जिले के धान उपार्जन केंद्रों पर सुचारु रूप से धान खरीदी हो रही है। खाद्य अधिकारी खुमेश्वर सिंह ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के अंतर्गत रायगढ़ जिले में 23846 मे.टन धान की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 29 करोड़ 91 लाख रुपये का भुगतान भी बैंक के माध्यम से किया जा चुका है।

कृषक उन्नति योजना : कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था होगी सुदृढ़

❐ नारायणपुर के सुकाली बाई को 1 लाख 15 हजार रुपए तथा जयलाल को एक लाख रुपए का हुआ अतिरिक्त आय

रायपुर | आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए छत्तीसगढ़ में किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने कृषक उन्नति योजना का संचालन किया जा रहा है। यह योजना मूल रूप से छत्तीसगढ़ के किसानों के कल्याण के लिए लक्षित और घोषित की गई है। इस योजना के माध्यम से किसानों से उचित मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। इससे खाद्य सुरक्षा को मजबूती मिलेगी और कृषि में आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा। किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग और नवीन कृषि तकनीकों में निवेश के लिए प्रोत्साहन से उत्पादन की मात्रा में वृद्धि और गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग से कृषि कार्यो में लगने वाले समय और मानव श्रम में बचत होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल के द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार खरीफ वर्ष 2023-24 से कृषक उन्नति योजना लागू की गई है। कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन संबंधी प्रस्ताव अनुसार खरीफ वर्ष 2023 में धान खरीदी के आधार पर किसानों को प्रति एकड़ 19 हज़ार 257 रुपए के मान से आदान राशि प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ में सुदूर वनांचल स्थित नारायणपुर जिले के ग्राम एडका की सुकाली बाई और ग्राम बाकुलवाहि के जयलाल को कृषक उन्नति योजना का लाभ मिला। राज्य में किसानों से अपने वायदे के मुताबिक प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी करने के साथ ही दो साल के धान के बकाया बोनस की राशि का भुगतान भी किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में खेती-किसानी और किसानों की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। कृषि के क्षेत्र में सम्पन्नता से ही छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और विकसित राज्य बनाने का सपना साकार होगा। जयलाल ने कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराकर कुल रकबा 5.23 एकड़ का धान फसल उत्पादन कर कुल 64 क्विंटल धान खरीदी केन्द्र एडक़ा में विक्रय किया गया, जिसका भारत सरकार द्वारा जारी न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रूपये प्रति क्विंटल की दर से कुल राशि 1 लाख 39 हजार 712 रूपये प्राप्त हुआ। कृषक उन्नति योजना अंतर्गत राशि 19257 रूपये प्रति एकड़ के दर पर कुल राशि 01 लाख 714 हजार रूपये अतिरिक्त प्राप्त हुआ। इस प्रकार कुल 02 लाख 40 हजार 426 रूपये उनके खाते में प्राप्त हुए। इसी तरह सुकाली बाई ने 6 एकड़ में धान फसल उत्पादन कर कुल 126 क्विंटल धान खरीदी केन्द्र एडक़ा में विक्रय किया गया, जिसका भारत सरकार द्वारा जारी न्यूनतम समर्थन मूल्य 2183 रूपये प्रति क्विंटल की दर से कुल राशि 2 लाख 75 हजार 58 रूपये प्राप्त हुआ। कृषक उन्नति योजना अंतर्गत राशि 19257 रूपये प्रति एकड़ की दर पर कुल राशि 1 लाख 15 हजार 542 रूपये अतिरिक्त प्राप्त हुआ। इस प्रकार कुल 3 लाख 90 हजार 600 रूपये उनके खाते में प्राप्त हुए।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवका, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियॉं की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU